Hindi Murli Quiz 25-08-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **बापदादा सभी बच्चों को सब _____ से संपन्न स्वरुप में देख रहे हैं।**

- **A.** वरदानों
- **B.** गुणों
- **C.** शक्तियों
- **D.** खज़ानों

Q.2) **सर्व खज़ानो के अधिकार होते भी, देने वाला सागर और संपन्न होते हुए भी नंबर क्यों बनते हैं? (उतर एक से अधिक भी हो सकते हैं।)**

- **A.** सभी बाप समान नहीं बन सकते।
- **B.** समाने की शक्ति अपनी पर सेंटेज में है।
- **C.** संकल्प सभी का है, लेकिन स्वरुप में ला नहीं सकते।

Q.3) **यदि समय के खज़ाने को सदा स्वयं के व सर्व के कल्याण के प्रति लगाते रहो तो अन्य सर्व खजाने स्वतः ही जमा हो जाएँ।**

- **A.** सही
- **B.** गलत

Q.4) **जो रोज़ अमृतवेले दिलखुश मिठाई खाते हैं, उनकी निशानियाँ यह हैं –(वरदान पर आधारित है, सही उत्तर एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)**

- **A.** स्वयं सारा दिन खुश रहते हैं।
- **B.** दूसरे भी उनको देख खुश होते हैं।
- **C.** कैसी भी परस्तिथि को छोटा बना देती है।
- **D.** पहाड़ को रुई बना देती है।
- **E.** रोने की परिस्तिथि में भी मन सदा खुश रहता है।
- **F.** उनके चेहरे से भी सेवा होती है।
- **G.** उनकी सूरत, ज्ञान की सीरत को प्रत्यक्ष करती है।

Q.5) **जिसके हर संकल्प से अनेकों को श्रेष्ठ जीवन बनाने की प्रेरणा प्राप्त हो, वही**

- **A.** देवात्मा है
- **B.** पुण्यात्मा है
- **C.** मनुष्यात्मा है

Q.6) **स्वयं को स्वयं के धोखे से बचाओ तो –(उत्तर एक से अधिक भी सही हो सकते हैं।)**

A. माया के अनेक प्रकार के धोखे से बच जायेंगे।
B. समय के धोखे से भी बच जायेंगे।
C. दुःख की महसूसता से नहीं बच सकेंगे।
D. दुःख के अंश मात्र की महसूसता से सदा बच जायेंगे।

Q.7) **सर्व प्रकार के धोखे से बचने का आधार है – समय के वरदानो को सिर्फ स्वयं प्रति कार्य में लगाओ।**

A. सही
B. गलत

Explanation : सर्व प्रकार के धोखे से बचने का आधार है – समय के वरदानो को स्वयं प्रति व और सर्व प्रति कार्य में लगाना।

Q.8) **बार-बार एक ही भूल करने से संस्कार दैवी बन जाते हैं।**

A. सही
B. गलत

Explanation : बार-बार एक ही भूल करने से संस्कार पक्के हो जाते हैं।

Q.9) **अधीन न होना अर्थात**

A. बकरी की चाल चलना।
B. शेर की चाल चलना।
C. चींटी की चाल चलना।

Q.10) **संगमयुग पर कार्य का फल अतीन्द्रिय सुख है, इसके सिवाए अल्पकाल का नाम, मान, शान व प्रकृति दासी का फल स्वीकार किया तो –**

A. भविष्य जमा हो जाता है।
B. वर्तमान जमा हो जाता है।
C. भविष्य ख़त्म हो जाता है।